आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार एकांश
देहरादून (उत्तराखण्ड)
गुरूवार 14.11.2024
समय 1305

पहले मुख्य समाचार :–

- केंद्र सरकार ने कोचिंग संस्थानों के भ्रामक विज्ञापनों पर रोकथाम के लिए दिशानिर्देश जारी किए।
- पिथौरागढ़ का प्रसिद्ध जौलजीबी मेला आज से शुरू हुआ।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा– सरकार, पर्वतीय क्षेत्रों से पलायन रोकने के लिए विभिन्न योजनाएं चला रही है।
- देहरादून की आबोहवा खराब, ए क्यू आई 300 के करीब।

दिशानिर्देश जारी

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने कोचिंग संस्थानों द्वारा भ्रामक विज्ञापनों पर रोकथाम के लिए कल दिशानिर्देश जारी किए। इसके अंतर्गत सभी कोचिंग संस्थानों को अपने छात्रों और पाठ्यक्रमों के बारे में प्रासंगिक जानकारी देने को कहा गया है जिससे उम्मीदवारों और उनके अभिभावकों को गुमराह होने से बचाया जा सके। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने विभिन्न कोचिंग संस्थानों के भ्रामक विज्ञापनों की रोकथाम के लिए नई दिल्ली में यह दिशानिर्देश जारी किए।

जौलजीबी मेला

पिथौरागढ़ का प्रसिद्ध जौलजीबी मेला आज से शुरू हो गया है। मेले के शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि यह मेला राज्य की ऐतिहासिक धरोहर है, जो भारत–नेपाल और अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों में भावनात्मक संबंधों तथा सामाजिक प्रेम को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि जौलजीबी मेला, राज्य की समृद्ध परंपराओं को संजोने और आने वाली पीढ़ियां तक पहुंचाने में अपना विशेष योगदान दे रहा है। श्री धामी ने कहा कि जौलजीबी मेला उत्तराखण्ड के उत्पादों को बढ़ावा देने के साथ ही स्थानीय काश्तकारों को भी एक मंच प्रदान करता है।

पिथौरागढ़ को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के आदि कैलाश दौरे से इस सीमांत क्षेत्र को नई पहचान मिली है और यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि जिले में अवस्थापना सुविधाओं को विकसित करते हुए विभिन्न विकास कार्य किए जा रहे हैं।

निरीक्षण

इससे पहले, चमोली में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज विधानसभा, भराड़ीसैंण में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को विभिन्न कार्यों में तेजी लाने के साथ गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। श्री धामी ने कहा कि विधानसभा, भराड़ीसैंण में सरकार सड़क और हवाई कनेक्टिविटी से पूरे क्षेत्र के विकास के लिए लगातार काम कर रही है। इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों से भेंट कर प्रशासन द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों का फीडबैक औरं सुझाव भी लिए।

वनाग्नि नियंत्रण

उत्तराखंड के जंगलों को आग से बचाने के लिए अभी से पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। वनाग्नि नियंत्रण के लिए वन विभाग फॉरेस्ट फायर अलर्ट सिस्टम का उपयोग करेगा, जो आग लगने पर तुरंत अलर्ट करेगा और वनाग्नि पर काबू पाने में सहायक बनेगा। राज्य में वनाग्नि सूचना प्रबंधन प्रणाली का डिजिटलाइजेशन करते हुए फॉरेस्ट फायर उत्तराखंड मोबाइल एप विकसित किया गया है। इससे वनाग्नि की रोकथाम में लगने वाले रिस्पॉस टाइम में अत्यधिक कमी लाई जा सकेगी। इस मोबाइल एप को संचालित करने के लिए प्रभागीय वनाधिकारी, हरिद्वार वन प्रभाग, वैभव कुमार की ओर से मास्टर कंट्रोल रूम आपॅरेटर तथा मास्टर ट्रेनर को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के लिए प्रत्येक वन प्रभाग से दो मास्टर ट्रेनर, एक कम्प्यूटर ऑपरेटर और एक मास्टर कंट्रोल रूम कार्मिक को नामित कर प्रशिक्षण तिथियां निर्धारित की गई है।

बाल दिवस

प्रदेश के सभी स्कूलों में आज बाल दिवस मनाया गया। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बच्चों को बाल दिवस की शुभकामनाएं दी हैं। अपने संदेश में राज्यपाल सिंह ने कहा कि बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा और उन्हें बेहतर शिक्षा तथा स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना हमारा नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि बच्चों का सही विकास ही एक मजबूत और समृद्ध समाज की नींव रखता है। राज्यपाल ने समाज के सभी लोगों से आग्रह किया कि वे वंचित वर्गों के बच्चों को भी आगे बढ़ने के अवसर देने में सहयोग करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और देश के बेहतर भविष्य के लिए बच्चों को अच्छी शिक्षा और संस्कार देना सबकी जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों के संतुलित और समग्र विकास से ही देश और समाज को खुशहाल बनाया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे बच्चों को अच्छी शिक्षा और संस्कार देने की जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए बाल अधिकारों के संरक्षण और जागरूकता बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

आदि कैलाश यात्रा

पिथौरागढ़ जिले में आदि कैलाश और ओम पर्वत दर्शन यात्रा कल से शीतकाल के लिए बंद हो जाएगी। उच्च हिमालयी क्षेत्र में मौसम को ध्यान में रखते हुए इनर लाइन परमिट बंद होने के कारण यात्रा अब अगले वर्ष अप्रैल महीने के बाद शुरू होगी। इस वर्ष आदि कैलाश और ओम पर्वत दर्शन के लिए इक्तीस हजार से अधिक श्रद्धालु पहुंचे, जो पिछले वर्ष से लगभग बीस हजार अधिक हैं।

पलायन रोकथाम

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि राज्य सरकार, पर्वतीय क्षेत्रों से हो रहे पलायन की समस्या को लेकर गंभीर है और इसे रोकने के लिए विभिन्न योजनाओं पर काम कर रही है। पहाड़ों से हो रहे पलायन को रोकने के भराडीसैंण में पलायन निवारण आयोग की अहम बैठक में श्री धामी ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और आधारभूत ढांचे के विकास के लिए लगातार काम कर रही है। शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है।

इस बैठक में पलायन के प्रमुख कारणों पर चर्चा के साथ ही इसके निवारण के लिए बुनियादी जरूरतों को पूरा करने पर मंथन किया गया। सदस्यों ने पलायन निवारण के लिए विभागीय सहयोग से अल्पकालिक, मध्यकालिक और दीर्घकालिक योजनाओं पर कार्य करने की बात रखी। पहाड़ों से हो रहे पलायन के प्रमुख कारणों पर चर्चा के दौरान बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्वतीय क्षेत्रों पर योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करने पर जोर दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पलायन निवारण आयोग द्वारा दिए जा रहे सुझावों को अमल में लाने के लिए संबंधित विभागों के माध्यम से ठोस कार्य योजना बनाई जा रही है।

वायु गुणवत्ता सूचकांक

देहरादून की आबोहवा आज छठें दिन भी खराब श्रेणी में है। आज पूर्वाह्न ग्यारह बजे राजधानी का वायु गुणवत्ता सूचकांक– ए०क्यू०आई 293 दर्ज किया गया। ए०क्यू०आई के 300 पहुंचने पर यह बेहद खराब श्रेणी में पहुंच जाएगा।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार ऋषिकेश और काशीपुर में वायु गुणवत्ता श्रेणी मध्यम नापी गई है। खराब गुणवत्ता वाली वायु श्रेणी में लंबे समय तक रहने से अधिकांश लोगों को सांस लेने में तकलीफ होती है। जबकि मध्यम गुणवत्ता की वायु श्रेणी में फेफड़े, अस्थमा और हृदय रोग से पीड़ित लोगों को सांस लेने में तकलीफ हो सकती है।

हेली सेवा

आगामा यात्रा सीजन में गंगोत्री धाम हेली सेवा से जुड़ने की उम्मीद है। इसके लिए धाम से डेढ़ किमी पहले नगर पंचायत के पुराने पार्किंग स्थल में हेलीपैड का निर्माण किया जा रहा है। हेलीपैड का 80 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। यमुनोत्री धाम में भी गरुड़ गंगा के पास हेलीपैड के लिए स्थल चिह्नित कर उसका समतलीकरण किया जा चुका है। गौरतलब है कि उत्तरकाशी जिले में स्थित गंगोत्री व यमुनोत्री धाम अभी तक सीधे तौर पर हेली सेवा से नहीं जुड़े हैं। गंगोत्री धाम जाने के लिए तीर्थ यात्रियों को 25 से 30 किलोमीटर दूर हर्षिल व झाला स्थित हेलीपैड पर उतरना पड़ता है।

कपाट बंद प्रक्रिया

बदरीनाथ धाम के कपाट बंद होने की प्रक्रिया के तहत कल देर शाम गणेश मंदिर के कपाट बंद हो गये। गणेश मंदिर परिसर स्थित मंदिर में रावल, धर्माधिकारी, वेदपाठी आचार्यों द्वारा पूजा–अर्चना के पश्चात विधिवत पंच स्नान के पश्चात गणेश जी की मूर्ति को निर्वाण रूप में लाकर बदरीनाथ मंदिर गर्भगृह में बदरीश पंचायत के साथ दर्शनार्थ रखा गया। आज आदि केदारेश्वर तथा आदि गुरु शंकराचार्य मंदिर के कपाट बंद होंगे और कल वेद पुस्तकों की पूजा–अर्चना तथा वेद ऋचाओं का वाचन बंद होगा। 17 नवम्बर की रात को बदरीनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद कर दिए जांएगे और इसी के साथ प्रदेश में चारधाम यात्रा संपन्न हो जांएगी।

अपील

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सचिव संजय जाजू में गेमिंग, एनीमेशन और मनोरंजन उद्योग के पेशेवरों और विशेषज्ञों से अगले साल 5 से 9 फरवरी तक दिल्ली में होने वाले विश्व ऑडियो विजुअल इंटरटेंमेंट शिखर सम्मेलन में भाग लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सूचना और प्रसारण मंत्रालय का यह प्रतिष्ठित सम्मेलन वैश्विक स्तर पर अपनी तरह का पहला आयोजन है। श्री जाजू ने हैदराबाद में इंडिया गेम डेवलपर्स कॉन्फ्रेंस–आईजीडीसी में कहा कि यह उच्च श्रेणी का कार्यक्रम पूरे मीडिया और मनोरंजन जगत के लिए दुनिया का सबसे बड़ा सम्मेलन होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विस्तृत सत्र में भाग लेंगे जबकि केन्द्र सरकार के कई अन्य मंत्री भी इस सम्मेलन में शामिल होंगे।

शराब पर प्रतिबंध

उत्त्तरकाशी जिले के डुडा ब्लॉक के उडरी गांव के ग्रामीणों ने शादी समारोह में शराब न परोसने की पहल शुरू की है। पंचायत की खुली बैठक में ग्रामीण और महिलाओं ने मेहंदी, शादी सहित अन्य किसी भी समारोह में शराब पर प्रतिबंध का प्रस्ताव पारित किया। प्रतिबंध के बाद भी यदि कोई ग्रामीण अपने घर के शादी समारोह में शराब पिलाते हुए पकड़ा गया तो उस पर 50 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया जाएगा। साथ ही उस परिवार का पूरी तरह से पूरा गांव सामाजिक बहिष्कार करेगा। इसके अलावा गांव में शराब के प्रचलन पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए महिला मंगल दल से जुड़ी महिलाएं समारोह के आयोजन के दौरान घर–घर जाकर निरीक्षण करेंगीं।